वर्ष :-1 अंक:-291 3,दिसंबर,2025 बुधवार

अपना नालंदा डिजिटल अखबार पर कम खर्च में बड़ा प्रचार पाएं। आपका व्यवसाय पहुंचे हजारों लोगों तक—विश्वसनीय, स्थानीय और प्रभावी विज्ञापन सेवा के साथ। अपना विज्ञापन देने के लिए आज ही संपर्क करें: 9031468165.

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

नालंदा का नंबर -1 डिजिटल अखबार www.apnanalanda.com

दलित परिवारों का दर्द देख भावुक हुए पप्पू यादव, मौके पर दी आर्थिक मदद

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा ज़िले के रहुई थाना क्षेत्र के शिवनंदननगर गाँव में दर्जनों दलित परिवारों के घरों पर हुई कार्रवाई ने पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। आरोप है कि लगभग 65 वर्षों से बसे इन गरीब दलित परिवारों को बिना वैकल्पिक पुनर्वास व्यवस्था किए उजाड़ा जा रहा है। बताया गया कि सरकार द्वारा 5 दिसंबर तक लगभग 150 परिवारों को क्षेत्र खाली करने का अल्टीमेटम दिया गया है। इस संवेदनशील परिस्थिति की जानकारी मिलते ही पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव रविवार को गाँव पहुँचे और पीड़ित परिवारों से मिलकर उनकी समस्याएँ सुनीं।

मौके पर सांसद पप्पू यादव ने प्रशासनात्मक कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताया और इसे "हिटलर और तुगलक से भी आगे की तानाशाही" बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब परिवार का आशियाना तब तक नहीं तोड़ा जा सकता, जब तक सरकार उन्हें रहने के लिए वैकल्पिक भूमि और आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध न कराए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को गाँव के प्रत्येक दलित परिवार को पाँच डिसमिल जमीन और घर निर्माण के लिए मदद देनी चाहिए।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रशासन ने बिना पुनर्वास के कार्रवाई जारी रखी, तो वे स्वयं बुलडोजर के सामने खड़े होंगे और इस मुद्दे को संसद में जोरदार तरीके से उठाएँगे।

पीड़ित परिवारों से बातचीत के दौरान उन्होंने एक-एक व्यक्ति की व्यथा सुनी और भरोसा दिलाया कि वे हर स्तर पर न्याय दिलाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। तत्काल राहत स्वरूप उन्होंने दर्जनों परिवारों को अपनी व्यक्तिगत ओर से 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही आश्वासन दिया कि इन परिवारों की बेटियों के विवाह के समय भी वे सहायता उपलब्ध कराएँगे, जिससे परिवारों को सामाजिक व आर्थिक संबल मिल सके। इस सहायता से पीड़ितों के चेहरों पर कुछ हद तक राहत और उम्मीद की किरण देखी गई।

सांसद पप्पू यादव ने इसके बाद नालंदा जिला प्रशासन और डीएम से तत्काल फोन पर बातचीत कर पूरे प्रकरण पर चिंता जताई। उन्होंने मांग की कि प्रशासन दलित परिवारों के लिए अस्थायी आवास, पानी, बिजली, राशन
और सुरक्षा की स्पष्ट व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि किसी भी स्थिति में परिवार बेघर न हों। उन्होंने पुनर्वास की एक ठोस और व्यवहारिक योजना तैयार करने पर भी जोर दिया।

इस दौरान स्थानीय युवा नेता दानवीर ने भी सरकार और प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दशकों से बसे गरीब दलित परिवारों को बिना घोषित वैकल्पिक व्यवस्था के हटाना अमानवीय और असंवैधानिक कदम है। उन्होंने कहा, "सरकार पहले यह सुनिश्चित करे कि इन परिवारों के सिर पर सुरक्षित छत हो। वर्षों से बसे लोगों को यूँ ही उजाड़ना गरीबों के साथ सबसे बड़ा अन्याय है।" यदि समय रहते समाधान नहीं मिला, तो उन्होंने जन आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

भ्रमण के दौरान सांसद पप्पू यादव ने दलित समुदाय के लोगों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन भी ग्रहण किया। उनके इस कदम ने सामाजिक रूप से एक सकारात्मक संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि पीड़ितों के साथ खड़े हैं। मौके पर राकेश यादव, मनीष यादव, मुकेश पासवान, श्रवण कुमार, रंजन यादव, बालिमिकी पासवान, बादल राज, विक्की यादव समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

पूरा घटनाक्रम यह संकेत देता है कि शिवनंदननगर के दलित परिवारों की आवाज अब सिर्फ स्थानीय प्रशासन तक नहीं, बल्कि संसद तक पहुँचने वाली है। प्रशासन पर अब न्यायोचित समाधान तलाशने का दबाव और बढ़ गया है।

सांसद कौशलेंद्र कुमार ने जिला अस्पताल में डे-केयर कैंसर केंद्र की मांग की

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने बिहारशरीफ जिला अस्पताल में डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित करने की मांग केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से की है। उन्होंने कहा कि आम बजट–2025 में जिला अस्पतालों में ऐसे केंद्र स्थापित करने का महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा गया है, जो देशभर के कैंसर मरीजों के लिए राहतकारी कदम साबित होगा।

सांसद ने बताया कि डे-केयर कैंसर केंद्रों की स्थापना से मरीजों को अपने ही जिले में किफायती और समय पर उपचार मिल सकेगा। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों को बड़े शहरों और दूर-दराज के सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे मरीजों और उनके परिजनों के समय, धन और मानसिक तनाव—तीनों में कमी आएगी।उन्होंने कहा कि वर्तमान में कैंसर उपचार के लिए अधिकांश मरीजों को पटना, रांची या अन्य महानगरों का रुख करना पड़ता है जिससे ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित होने से जिला अस्पताल में एक अलग वार्ड बनाकर कीमोथेरेपी, परामर्श एवं नियमित जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं।सांसद कौशलेंद्र कुमार ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से आग्रह किया कि नालंदा जिले की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बिहारशरीफ जिला अस्पताल में डे-केयर कैंसर केंद्र की स्थापना को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि यह सुविधा शुरू होने से नालंदा ही नहीं, आसपास के जिलों के मरीजों को भी बड़ा लाभ मिलेगा।

सरकार भटकी तो आईना दिखाएंगे, नया बिहार हमारा उद्देश्य: तेजस्वी यादव

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार विधानसभा में नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रेम कुमार के सर्वसम्मति से चुने जाने के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सदन को संबोधित करते हुए संसदीय मर्यादा, विपक्ष की भूमिका और बिहार के विकास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट की। उनका वक्तव्य राजनीतिक परिपक्वता और जनहित के मुद्दों पर गहरी समझ को दर्शाता है।

तेजस्वी यादव ने अध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा कि गया की पवित्र भूमि से आने वाले व्यक्ति से सदन को निष्पक्ष और संतुलित संचालन की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष संख्या बल के कारण सशक्त है, इसलिए आसन से विशेष रूप से विपक्ष के संरक्षण और निष्पक्षता की अपेक्षा की जाती है, ताकि लोकतांत्रिक संतुलन बना रहे।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विपक्ष सरकार का दुश्मन नहीं, बल्कि लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है। हमारा उद्देश्य व्यक्तिगत विरोध नहीं, बल्कि जनहित की रक्षा और बिहार को नए विकास पथ पर ले जाना है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार जनहित से भटकेगी, तो विपक्ष पूरी मजबूती से आईना दिखाने का कार्य करेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि महागठबंधन रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगा—विकास के हर सकारात्मक कदम में सहयोग करेगा, लेकिन बेरोजगारी, पलायन और गरीबी जैसे मुद्दों पर सरकार की जवाबदेही तय कराएगा। तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की।

सदन में उनका संबोधन इस संदेश के साथ समाप्त हुआ कि बिहार की 14 करोड़ जनता की उम्मीदें विपक्ष की आवाज में गूंजेंगी और नया बिहार बनाना ही उनका लक्ष्य है।

SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED
"BOOKINGS ARE NOW OPEN !"
BOOK 3BHK PREMIUM FLAT
Project Registration Number
BRERAP19200101102525O432E00
₹ 4251/*SQ.FT.
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities
Swimming Pool
Vastu Compliant Design
Kids' Play Area
Volleyball / Badminton Court
Cricket net pitch
Landscape & Roof Top Garden
Temple in Premises
Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
100% Power Backup
Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
EV Reserved Car Parking
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004, 7280027960
60018 06049, 96615 74892
Contact us today to book your site visit!

छठी बार विधायक बने डॉ. सुनील कुमार ने विधानसभा में शपथ ग्रहण किया

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मंगलवार को बिहार विधानसभा में बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र से लगातार छठी बार निर्वाचित हुए विधायक डॉ. सुनील कुमार ने शपथ ग्रहण किया। शपथ के बाद उन्होंने कहा कि यह क्षण उनके लिए अत्यंत गर्व और भावनात्मकता से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह पद केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि बिहारशरीफ की जनता द्वारा उन पर किए गएअटूट विश्वास और स्नेह का प्रतीक है।

डॉ. कुमार ने कहा कि वह हमेशा से ही क्षेत्र के विकास, सम्मान, प्रगति और जनकल्याण के लिए समर्पित रहे हैं और आगे भी पूरे मन, निष्ठा और ईमानदारी के साथ काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनता के प्रेम, विश्वास और आशीर्वाद से ही यह संभव हुआ है, और उनका लक्ष्य है कि बिहारशरीफ को और अधिक विकसित, समृद्ध और खुशहाल बनाया जाए।

विधायक सह पूर्व मंत्री ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार में विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी और बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र को भी इसका लाभ मिलता रहेगा।

इस दौरान उन्होंने पुनः भरोसा दिलाया कि वे क्षेत्र की हर समस्या, हर जरूरत और हर विकास योजना के लिए सदैव उपलब्ध रहेंगे।

नालंदा कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पर रैली और रेड रिबन जागरूकता अभियान

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा कॉलेज में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एनएसएस एवं सेहत केंद्र की ओर से एड्स जागरूकता कार्यक्रम, रेड रिबन अभियान और जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और कॉलेज परिसर में उपस्थित सभी लोगों को रेड रिबन बांधकर एड्स के प्रति जागरूक किया।

कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सुनीता सिन्हा ने कहा कि एड्स प्रभावित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। एचआईवी संक्रमित होना जीवन का अंत नहीं है, क्योंकि सही चिकित्सा, परामर्श और सहयोग से व्यक्ति लंबे समय तक स्वस्थ रह सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान युवाओं को संवेदनशील बनाने और गलत धारणाओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. बिनीत लाल ने कहा कि एचआईवी/एड्स की रोकथाम का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता है। लोगों को इसकी उत्पत्ति, संक्रमण के तरीके और बचाव संबंधी जानकारी देना आवश्यक है, ताकि समाज इस महामारी के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रह सके। उन्होंने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं तक एचआईवी/एड्स एवं इसके रोकथाम से जुड़ी सभी उपयोगी सूचनाएँ पहुँचाना है।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने शिक्षक संघ की अध्यक्ष डॉ. मंजु कुमारी, सचिव डॉ. रत्नेश अमन, तथा विभिन्न विभागों के शिक्षकों—डॉ. राम कृष्ण परमहंस, डॉ. श्रवण कुमार, डॉ. भावना, डॉ. चम्पा, डॉ. उपेन मंडल, डॉ. श्रद्धा—को रेड रिबन बांधकर जागरूकता संदेश दिया। एनएसएस के मोनू निगम, आशीष, कुंदन, मानसी, कृति, प्रेरणा, रजनी और अविनाश प्रमुख रूप से शामिल रहे।

टोक्यो डेफ्लिंपिक विजेता अनुपम का हरनौत में भव्य स्वागत और सम्मान समारोह

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र के फुटबॉल स्टेडियम में मंगलवार को टोक्यो डेफ्लिंपिक 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी अनुपम कुमार के सम्मान में स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नालंदा लक्ष्य खेल अकादमी द्वारा किया गया था।समारोह में मुख्य अतिथि उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह समाजसेवी सुरेश सिंह तथा हाई स्कूल हरनौत के प्रभारी सुनील कुमार गवास्कर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत किया गया। राष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी एवं अकादमी के कोच कुंदन पांडे ने बताया कि अनुपम कुमार ने 800 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन कर भारत का मान बढ़ाया है। इसी उपलब्धि को देखते हुए उन्हें बुके और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।समारोह में स्थानीय नागरिकों, छात्रों और खिलाड़ियों ने फूल-मालाओं एवं ढोल-नगाड़ों के साथ अनुपम का उत्साहपूर्ण स्वागत किया। वक्ताओं ने कहा कि अनुपम ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास की बदौलत यह उपलब्धि हासिल की है, जो प्रदेश और देश दोनों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अनुपम आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का गौरव बढ़ाएँगे।

समारोह के बाद अनुपम कुमार ने नगर में विजय-भ्रमण किया, जहाँ विभिन्न स्थलों पर लोगों ने मिठाइयाँ बाँटकर उनका उत्साहवर्धन किया। उपस्थित लोगों में समाजसेवी प्रमोद कुमार, शिक्षिका नीलम, खेल प्रेमी प्रो. धनंजय, रवि, चंद्रउदय, पप्पू सहित अनेक गणमान्य शामिल थे।

जिलाधिकारी नालंदा ने लोक शिकायत अधिनियम के तहत 22 द्वितीय अपीलें सुनीं

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत जिला पदाधिकारी नालंदा एवं द्वितीय अपीलीय प्राधिकार कुंदन कुमार द्वारा मंगलवार को कुल 22 मामलों की सुनवाई की गई। इनमें कई मामलों का निवारण सुनवाई से पूर्व ही संबंधित लोक प्राधिकारों द्वारा कर दिया गया था, जबकि शेष मामलों में जिलाधिकारी ने आवश्यक निर्देश जारी किए।

सुनवाई के दौरान कृषि कार्य हेतु पोल एवं तार लगाने, गलत तरीके से तैयार की गई जमाबंदी को रद्द कराने, छज्जा से दूर करने को लेकर पोल पर एंगल लगवाने तथा आम रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराने जैसी सार्वजनिक महत्व की समस्याओं का समाधान जिलाधिकारी द्वारा कराया गया।इसके अलावा गैरमजरूआ आम जमीन से अतिक्रमण हटाने, अवैध मकान निर्माण रोकने, नामांतरण अभिलेख पोर्टल पर बारकोड सहित अपलोड करने, जमाबंदी रद्दीकरण, भूमि विवाद, नाली निर्माण में अनियमितता तथा प्रधानमंत्री आवास योजना में कथित धन उगाही से संबंधित शिकायतों का भी निष्पादन किया गया।जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को लंबित मामलों के शीघ्र और पारदर्शी निष्पादन का निर्देश देते हुए कहा कि लोक शिकायत निवारण व्यवस्था का उद्देश्य जनता को समयबद्ध और प्रभावी राहत उपलब्ध कराना है। उन्होंने अतिक्रमण से जुड़े मामलों पर सतत निगरानी रखने और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का भी आदेश दिया। सुनवाई कार्यक्रम में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

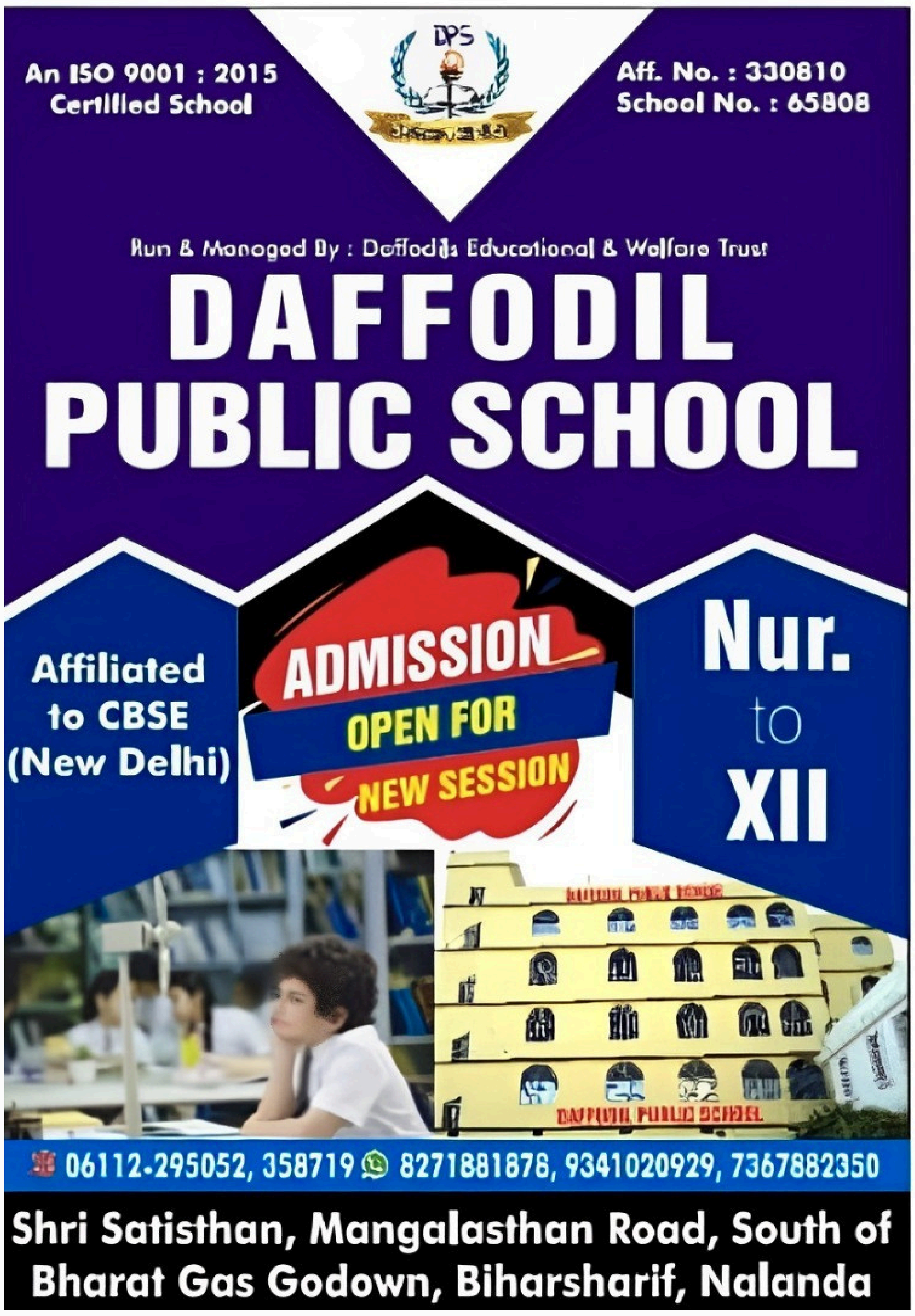

रामचंद्रपुर मछली बाजार में अतिक्रमण से जाम, प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। शहर के रामचंद्रपुर मछली बाजार क्षेत्र में पिछले चार दशकों से जारी अतिक्रमण स्थानीय लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। सड़क के दोनों ओर मछली विक्रेताओं के अनियमित रूप से दुकानें लगाने के कारण यहां प्रतिदिन जाम की गंभीर स्थिति उत्पन्न होती है। कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, स्कूल के बच्चे से लेकर आम राहगीर तक इस जाम में घंटों तक फंसे रहते हैं।क्षेत्र में फैली मछली की दुर्गंध और भीड़भाड़ की वजह से शाकाहारी और धार्मिक लोगों को अतिरिक्त असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कई बार स्थानीय लोग इस मुद्दे को प्रशासन के सामने रख चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहींउठाया गया है।

गौरतलब है कि होलसेल मछली मंडी को पहले ही गगन दीवान में स्थानांतरित कर दिया गया था, ताकि रामचंद्रपुर बाजार में भीड़भाड़ कम हो सके। इसके बावजूद खुदरा मछली विक्रेता अभी भी मुख्य सड़क पर ही दुकानें सजाए हुए हैं। राज्यभर में जारी अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान भी इस क्षेत्र की स्थिति में कोई प्रभावी बदलाव नहीं आया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो स्थिति और विकट हो सकती है। वे मांग कर रहे हैं कि प्रशासन साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन और नियमित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि वर्षों पुरानी इस समस्या से लोगों को राहत मिल सके।

साप्ताहिक जिला समन्वय बैठक में डीएम ने शिकायत समाधान और सरकारी योजनाओं की प्रगति पर जोर दिया

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मंगलवार को जिला पदाधिकारी नालंदा कुंदन कुमार की अध्यक्षता में जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय तकनीकी तथा गैर-तकनीकी पदाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समन्वय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। डीएम ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक कार्यालय में शिकायत पंजी का सही तरीके से संधारण किया जाए और उसे नियमित रूप से अद्यतन रखा जाए। साथ ही सभी पदाधिकारियों को अपना सीयूजी नंबर निर्बाध रूप से सक्रिय रखने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि प्रखंड एवं अंचल स्तर पर जनता दरबार का नियमित आयोजन कर प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। Chief Secretary Public Grievance Portal से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिक निष्पादन 12 घंटे के भीतर पूरा किया जाए। तकनीकी पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि रैयती भूमि पर कार्य प्रारंभ करने से पूर्व संबंधित रैयत से अनिवार्य रूप से एनओसी प्राप्त करें।

प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं के अनुपालन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। राशन कार्ड निर्माण के लिए नए KYC को प्राथमिकता के आधार पर बढ़ाने का निर्देश अनुमंडल पदाधिकारियों को दिया गया। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की प्रगति हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

डीएम ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड, डीएम जनता दरबार तथा लोक शिकायतों में प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। निर्वाचन कार्य की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारियों को स्नातक उत्तीर्ण व्यक्तियों के नाम निर्वाचक सूची में जोड़ने संबंधी रिपोर्ट जल्द भेजने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय में लंबित वादों के निष्पादन को विधि शाखा को कैंप मोड में पूरा करने को कहा गया। सिंचाई विभाग को हर खेत तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।

बैठक में सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रशिक्षु व अपर समाहर्ता, आईटी मैनेजर, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी तथा प्रखंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉ

न्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

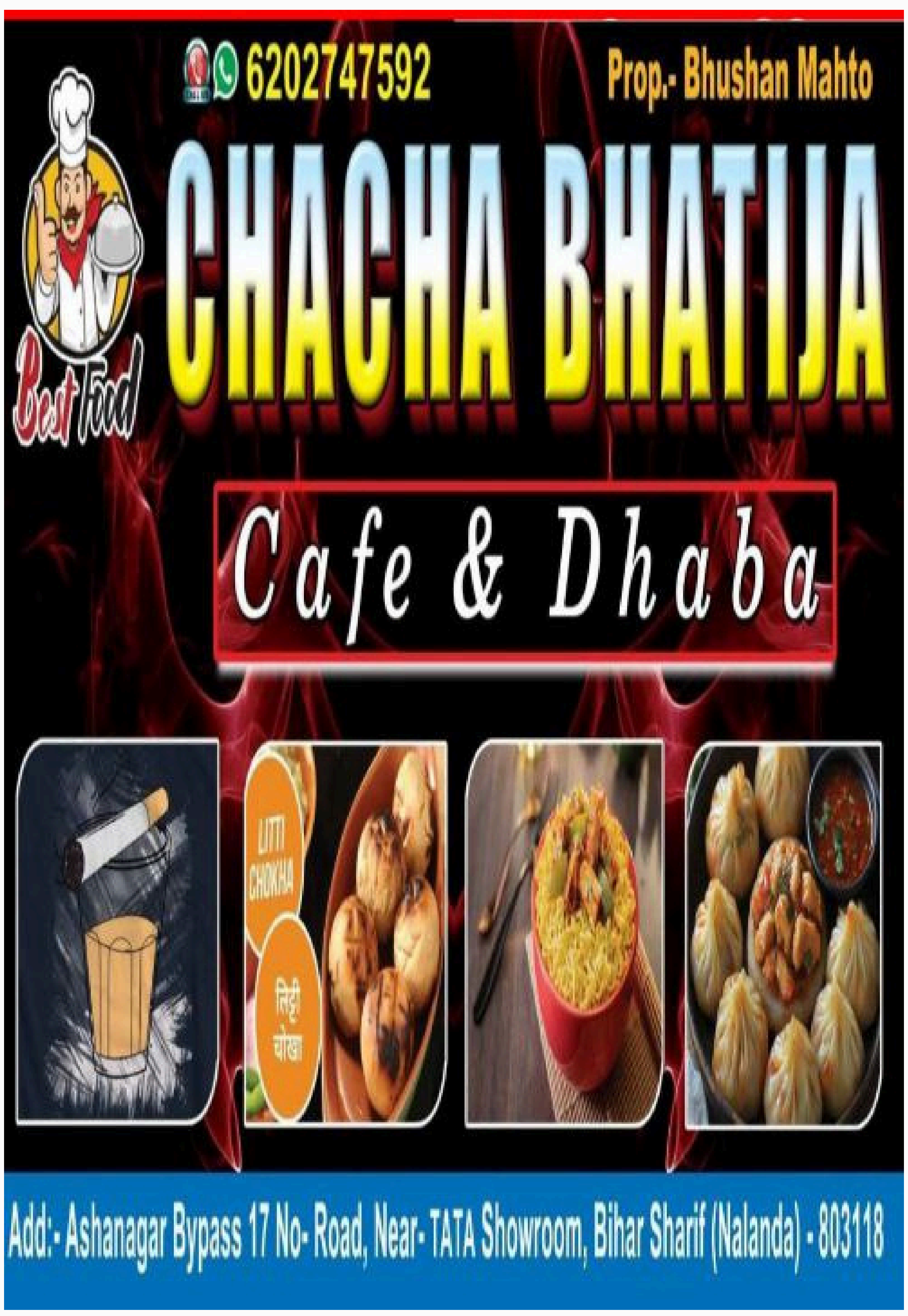

नीरपुर स्टेडियम से अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया तेज, नोटिस जारी कर चेतावनी

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नु

नूरसराय (अपना नालंदा)। नूरसराय प्रखंड के नीरपुर पंचायत अंतर्गत नीरपुर गांव स्थित स्टेडियम को अतिक्रमण मुक्त कराने की प्रक्रिया प्रशासन द्वारा तेज कर दी गई है। इस संबंध में अंचलाधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि स्टेडियम के आसपास अस्थायी रूप से बसे लोगों को नोटिस जारी कर स्पष्ट निर्देश दे दिया गया है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटा लें।

अंचलाधिकारी ने बताया कि चू बजरिए नोटिस के माध्यम से तथा माइकिंग द्वारा भी लोगों को सूचित किया गया है कि स्टेडियम के निकट सड़क के दोनों ओर किए गए अस्थायी अतिक्रमण, मवेशियों का ठहराव और गंदगी के ढेर के कारण आवागमन में गंभीर बाधा उत्पन्न हो रही है। इससे न सिर्फ स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है, बल्कि खेल परिसर का स्वरूप भी प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सभी लोग 5 दिसंबर 2025 (शुक्रवार) तक किसी भी स्थिति में स्वयं अतिक्रमण हटा लें। यदि निर्धारित तिथि तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो सार्वजनिक भूमि अधिनियम 1956 की धारा 2(8) के तहत संबंधित व्यक्तियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन का मानना है कि स्टेडियम को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त किए जाने से क्षेत्र में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण युवाओं को बेहतर सुविधाएँ मिल सकेंगी। अंचलाधिकारी ने ग्रामीणों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और साफ-सफाई बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सेवानिवृत लिपिक पर एफआईआर आदेश लंबित, शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर सवाल

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिला अपीलीय प्राधिकार, पटना के पीठासीन पदाधिकारी ने पत्रांक 250, दिनांक 5 नवंबर 2025 के माध्यम से सेवानिवृत लिपिक ज्ञान कुमार सिंह (कार्यालय-जिला शिक्षा पदाधिकारी, पटना) के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का आदेश जारी किया था। प्राधिकार ने श्री सिंह पर अपने कार्यकाल में गंभीर अनियमितताओं को अंजाम देने का प्रथमदृष्टया प्रमाणित आरोप बताया है। इसके बावजूद जिला शिक्षा पदाधिकारी, पटना कार्यालय द्वारा आदेश का अब तक अनुपालन नहीं किया गया है, जिससे विभागीय संवेदनहीनता और शिथिलता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।सूत्रों के अनुसार, ज्ञान कुमार सिंह ने लगभग 15 वर्षों तक जिला अपीलीय प्राधिकार, पटना में सचिव के रूप में कार्य किया। इस अवधि में वर्ष 2008 से 30 अगस्त 2023 तक के वित्तीय अभिलेख सुपुर्द न करने, वित्तीय अनियमितता तथा सरकारी राशि के गबन संबंधी आरोप सामने आए हैं। इन आरोपों को देखते हुए क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक, पटना प्रमंडल द्वारा बिहार पेंशन नियमावली 1950 के नियम 43(बी) के अंतर्गत कार्रवाई प्रचलित है।

इसके बावजूद एफआईआर दर्ज करने के आदेश को जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में कथित रूप से ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, जिसे कई लोग आरोपी को संरक्षण देने का प्रयास बता रहे हैं। विभागीय जानकारों का कहना है कि जब अधीनस्थ अधिकारी उच्चाधिकारी के आदेश का पालन नहीं करते, तो यह शिक्षा विभाग के लिए गंभीर और चिंताजनक स्थिति उत्पन्न करता है।

ऊर्जा सचिव ने समीक्षा बैठक में निर्बाध बिजली आपूर्ति और राजस्व वसूली पर जोर दिया

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। विद्युत भवन में मंगलवार को ऊर्जा सचिव सह सीएमडी BSPHCL मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में BSPGCL व उसकी सहायक कंपनियों की विस्तृत विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में SBPDCL के प्रबंध निदेशक महेंद्र कुमार, NBPDCL के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार सहित विभाग के वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान ऊर्जा सचिव ने सभी इकाइयों को कंज्यूमर टैगिंग कार्य को तेज गति से पूरा करने का निर्देश दिया तथा उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि फीडर सुधार कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक बिजली कटौती का सामना न करना पड़े।उन्होंने निर्देश दिया कि बिलिंग संबंधी शिकायतों का निपटारा सात दिनों के भीतर किया जाए और राजस्व वसूली में तेजी लाकर लक्ष्य को पूरा किया जाए। नए बिजली कनेक्शन के लिए पात्र उपभोक्ताओं को निर्धारित समय पर सुविधा उपलब्ध कराने पर भी बल दिया गया।

ऊर्जा सचिव ने स्मार्ट मीटर स्थापना में विलंब कर रही एजेंसियों पर कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि उपभोक्ता सुविधा में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, लंबित बिजली बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं को नोटिस जारी करने का निर्देश भी दिया गया।उन्होंने साइबर सुरक्षा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सभी कार्यालयों में अनधिकृत डिजिटल टूल के उपयोग पर रोक लगाने का आदेश दिया। बैठक में कुसुम योजना की अद्यतन प्रगति की भी समीक्षा की गई।अंत में, ऊर्जा सचिव ने अधिकारियों को उपभोक्ता-हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

साहित्य सम्मेलन में देशरत्न को नमन, जयंती पर हुआ गरिमामय कवि-सम्मेलन

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में मंगलवार को भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती की पूर्व संध्या पर श्रद्धांजलि समारोह और कवि-सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने बताया कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद सम्मेलन के संस्थापकों में रहे और वे केवल अध्यक्ष ही नहीं, बल्कि एक नियुक्त हिन्दी-प्रचारक भी थे। उन्होंने दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में हिन्दी के प्रसार के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया।

डॉ. सुलभ ने कहा कि महात्मा गांधी के बाद डॉ. राजेंद्र प्रसाद ही ऐसे नेता थे जिनकी मेधा, सरलता और राष्ट्रभक्ति अद्वितीय थी। उन्होंने जयंती को राष्ट्रीय मेधा-दिवस के रूप में मनाने की पुनः मांग की। इस अवसर पर बहुभाषाविद् विदुषी डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्र का भी स्मरण किया गया। युवावस्था में वैधव्य का दर्द सहने के बावजूद उन्होंने अपना पूरा जीवन साहित्य और भाषा-सेवा को समर्पित कर दिया। दक्षिण भारतीय भाषाओं और संस्कृत की पारंगत विदुषी के रूप में उन्होंने दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रचार में उल्लेखनीय योगदान दिया।

समारोह का उद्घाटन सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने किया। उन्होंने कहा कि राजेंद्र बाबू की जीवन-यात्रा प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है और उनकी जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। मुख्य अतिथि पद्मभूषण डॉ. सी. पी. ठाकुर ने कहा कि राजेंद्र बाबू ने राष्ट्र-सेवा का आदर्श स्थापित किया, जिससे समाज और स्वयं को उन्नत करने की प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम में कई विद्वानों ने विचार व्यक्त किए। आयोजित कवि-सम्मेलन में अनेक कवियों ने अपनी काव्यांजलि अर्पित की। समारोह में साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों और कवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

डॉ. प्रेम कुमार के निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर ऋतुराज सिन्हा ने बधाई दी

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने डॉ. प्रेम कुमार के निर्विरोध बिहार विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारतीय जनता पार्टी ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए गर्व का क्षण है। डॉ. प्रेम कुमार का निर्विरोध चुनाव लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन की परंपरा और उनकी लंबी जनसेवा के प्रति जनता तथा सदन के सभी सदस्यों के विश्वास का प्रतीक है।ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि डॉ. प्रेम कुमार ने अपने विस्तृत राजनीतिक जीवन में सदैव स्वच्छ, संवेदनशील और विकासोन्मुख कार्यशैली को अपनाया है। जनता के प्रति समर्पण, संगठनात्मक दक्षता और राजनीतिक अनुभव जैसे गुणों ने उन्हें बिहार की राजनीतिमें एक आदर्श और सम्मानित स्थान प्रदान किया है। उनका निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना यह दर्शाता है कि सदन के सभी दल उनके नेतृत्व, संतुलन और निष्पक्षता पर भरोसा करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि डॉ. प्रेम कुमार के मार्गदर्शन में बिहार विधानसभा और अधिक मजबूत होगी और सदन की गरिमा नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा कि वे सदन को सुचारु रूप से संचालित करते हुए लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।ऋतुराज सिन्हा ने अंत में पुनः बधाई देते हुए कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के रूप में डॉ. प्रेम कुमार का कार्यकाल निश्चित ही राज्य के लिए प्रेरणादायक और परिणामकारी सिद्ध होगा।

महागठबंधन की स्वार्थ राजनीति को जनता ने नकारा, जदयू ने किया दावा

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। जद(यू) के प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम और परिमल कुमार ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि हालिया विधानसभा चुनावों में बिहार की जनता ने महागठबंधन की स्वार्थ आधारित राजनीति पर पूर्ण विराम लगा दिया है। उनकी मान्यता है कि आरजेडी नेतृत्व वाले महागठबंधन में शुरू से ही स्पष्ट नीति, पारदर्शिता और राजनीतिक संकल्प का अभाव था। सीटों के बंटवारे से लेकर मुख्यमंत्री पद की मांग तक, हर चरण में सहयोगी दलों के बीच अविश्वास और अंतर्विरोध उजागर होता रहा।

प्रवक्ताओं के अनुसार, आरजेडी अपनी अधिक सीटों और मुख्यमंत्री पद की जिद पर अड़ी रही, जबकि कांग्रेस तेजस्वी यादव को नेता मानने को तैयार नहीं थी। वीआईपी और वाम दल भी अपने-अपने राजनीतिक हितों में अधिक सक्रिय रहे, जिसके कारण गठबंधन जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों से भटक गया और एक मजबूत विकल्प देने में विफल रहा।

जद(यू) नेताओं ने कहा कि इसी अवसरवादी राजनीति के चलते महागठबंधन को चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा। जनता ने ऐसे नेतृत्व पर भरोसा नहीं किया जिसके पास न विकास की ठोस योजना थी और न सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता।इसके विपरीत, प्रवक्ताओं ने दावा किया कि बिहार की जनता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए पर पूरा विश्वास जताया है। विकास, स्थिरता और सुशासन के एजेंडे को समर्थन देते हुए गठबंधन को ऐतिहासिक बहुमत मिला।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 से 2030 का काल बिहार में औद्योगिक परिवर्तन का दौर होगा, जिसमें नए उद्योगों की स्थापना और एक करोड़ युवाओं के लिए रोजगार सृजन का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बिहार सुशासन और सतत विकास की राह पर आगे बढ़ता रहेगा।

मेहत्रावां में मोबाइल पशु चिकित्सक इकाई पहुंची, ग्रामीणों को मिला घर-घर इलाज

थरथरी (अपना नालन्दा)। थरथरी प्रखंड के मेहत्रावां गांव में मंगलवार को मोबाइल पशु चिकित्सक इकाई के पहुंचने से पशुपालकों में उत्साह का माहौल देखा गया। अब गांव के किसान अपने बीमार पशुओं के उपचार और परामर्श के लिए सीधे हेल्पलाइन 1962 पर कॉल कर सुविधाएं प्राप्त कर सकते हैं।

मोबाइल यूनिट के प्रभारी चिकित्सक डॉ. कुमोद रंजन ने बताया कि यह सेवा प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होती है। टीम में वाहन चालक दीपक कुमार और पारावेट सुजीत कुमार शामिल हैं, जो पूरी तत्परता के साथ विभिन्न गांवों में जाकर सेवाएं प्रदान करते हैं।डॉ. रंजन ने बताया कि मोबाइल टीम प्रतिदिन दो गांवों का भ्रमण करती है, जहां पशुओं की जांच कर रोग की प्रकृति के अनुसार दवाइयां लिखी जाती हैं। उन्होंने कहा कि कभी-कभी आवश्यक दवाएं उपलब्ध न होने पर बाहर से मंगानी पड़ती हैं, जिससे उपचार में देरी न हो।मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा के शुरू होने से ग्रामीणों को घर पर ही चिकित्सा सहायता मिलने लगी है। इससे पशुपालकों का समय और पैसा दोनों की बचत हो रही है। साथ ही उन्हें सही और वैज्ञानिक परामर्श भी आसानी से उपलब्ध हो रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि यह सेवा गांवों के लिए अत्यंत लाभदायक साबित हो रही है, क्योंकि दूरस्थ क्षेत्रों में पशु चिकित्सक की उपलब्धता हमेशा संभव नहीं रहती।